(No Hon. Member dissented)

MR. CHAIRMAN: Permission to remain absent is granted. I have also to inform Members that a fax message has been received from Shri M.A. Kadar stating that he is unable to attend the House as he has undergone a hernia operation. He has, therefore, requested for grant of Leave of Absence from 21st July, 2003 till the end of the current (199th) Session of the Rajya Sabha.

Does he have the permission of the House to remain absent from all sittings of the House from 21 st July, 2003 till the end of the current (199th) Session of the Rajya Sabha?

(No Hon. Member dissented)

MR. CHAIRMAN : Permission to remain absent is granted.

MATTER RAISED WITH PERMISSION OF THE CHAIR

Re. Undue Harassment caused to brother of an Hon'ble Member of Rajya Sabha by Excise Officials of U.P. Government

प्रो.रामगोपाल यादव (**उत्तर प्रदेश**): श्रीमन, पिछले काफी अरसे से तथा पहले भी यहां यह मामला उठाया जा चुका है। हमारे साथी संसद सदस्य श्री अमर सिंह जी को किसी न किसी तरीके से हेरास करने, गिरफ्तार करने या उनके परिवारजनों को प्रताडित करने की कार्रवाई की जा रही है और की जा सकती है। कल गाजियाबाद में श्री अमर सिंह जी के भाई की फैक्टरी पर प्रातः 9 बजे से लेकर आज रात के दो बजे तक लगभग 400 पुलिसकर्मियों की मदद से उत्तर प्रदेश के एक्साइज विभाग के अधिकारियों ने वहां के एक मंत्री के निर्देश पर और मुख्य मंत्री के निर्देश पर छापा मारा। इनके 80 वर्षीय पिताजी को अपमानित किया, भाई को अपमानित किया और प्रयास यह था कि किसी तरह कोई ऐसा मामला निकाल लिया जाए जिसमें अमर सिंह लजी को जेल भेजने की कार्रवाई हो सके। मान्यवर, आपको याद होगा, पहले भी श्री अमर सिंह जी ने कहा था कि अलीगढ़ से कुछ अपराधियों को छोड़ा गया था ताकि उनकी हत्या हो सके। कल ही ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: एक मिनट।

श्री एम.वेंकैया नायडु (**कर्णाटक**): आप यह इश्यू उठाना चाहते हैं, अनुमति दी है। मगर मुख्य मंत्री का नाम लेने से प्रोब्लम आएगी सर। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: वह तो गवर्नमेंट का नाम ले रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

प्रो.रामगोपाल यादव: जिसके निर्देश पर यह सब हो रहा है। माननीय वेकैया जी, आप यहां तक जा सकते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री गांधी आज़ाद (**उत्तर प्रदेश**): क्या हर चीज मुख्य मंत्री कर रही होंगी।

श्री अमर सिंह (**उत्तर प्रदेश**): वहां कुछ नहीं मिला है। ...(**व्यवधान**)... कभी हत्या करवाने की कोशिश की जाती है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... इनको बोलने दीजिए, पहले मामला तो सुन लें कि क्या मामला है।

प्रो.रामगोपाल यादव: पूरे गाजियाबाद में बहुत सारी फैक्ट्रीज है। किसी भी फैक्टरी पर या और किसी संस्था पर कोई चीज नहीं, अलग-अलग में फैक्ट्रीज है उनमें कोई चीज नहीं है, किसी को पूछा नहीं गया। सामान्य तरीके से जिस तरीके से होना चाहिए था रेड वगैरह वह भी नहीं हुई केवल उद्देश्य यह था कि किस तरीके से अपमानित किया जाए और अगर अमर सिंह जी उसके बोर्ड आफ डायरेक्टर्स मेंम हों तो उनके खिलाफ कार्रवाई एफ.आई.आर. करके की जाए। यह साजिश थी। कुछ भी नहीं मिला, अधिकारी सब लिख कर देकर गए कि वहां कुछ भी नहीं था। लेकिन प्रश्न यह है कि जब किसी ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: अमर सिंह जी के यहां कुछ नहीं मिला?

प्रो.रामगोपाल यादव: कुछ भी नहीं।

श्री सभापति : मुझे भेज दीजिए आप।

प्रो. रामगोपाल यादव : उन्होंने सब लिख कर दिया है।

श्री सभापति: मुझे भेजिए इनके यहां।

प्रो. रामगोपाल यादव : नहीं, कोई ऐसी चीज नहीं पाई गई। लेकिन उनके पिताजी का अपमान किया गया, उनके भाईयों को अपमानित किया गया। इसलिए मान्यवर, मैं आपसे संरक्षण चाहता हूं कि माननीय अमर सिंह जी इस सदने के सम्मानित सदस्य हैं, पार्टी के जनरल सैक्रेटरी और स्पोक्समैन हैं। Out of jealousy अगर किसी को अपमानित किया जाए, प्रताड़ित किया जाए और फंसाने के लिए कोई ने कोई बहाना ढूंढा जाए, तो इसके लिए मैं चेयर से चाहता हूं कि इन्हें संरक्षण प्रदान करें और अगर कोई ऐसा मोटिव है जिसकी वजह से डेलीब्रेटली यह सब किया जा रहा है तो उसकी जांच कराने के निर्देश दिए जाएं।

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) **:** महोदय, मैं एक बात वैंकेया नायडु साहब की तसल्ली के लिए ही कहना चाहता हूं। आप सरकार को निर्देश दीजिए कि वह रिपोर्ट मंगाकर सदन को दे दें। हम किसी सरकार के खिलाफ नहीं बोल रहे हैं लेकिन अपनी सरकार से तो अपनी सुरक्षा चाह सकते हैं। सरकार गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से रिपोर्ट मंगा ले और आप निर्देशित करें और उसके बाद ये लोग यहां बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है।

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, the point I want to make is this. *..(Interruptions)*

श्री अमर सिंह : महोदय, मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि अगर मैंने ऐक्साइजज़ ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप एक मिनट बात तो सुनिए।

श्री अमर सिंह : अगर मैंने ऐक्साइज इवेशन किया है, अगर कुछ गड़बड़ की है तो जो सजा चोर की, वह हमारी। वरना जो सरकार आपके सहयोग से चल रही सरकार है, मैं नाम नहीं ले रहा हूं, मेरी गर्दन भी काट दे, मैं ने डरूंगा, न दबूंगा, न झुकूंगा।

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Sir, before I go to the subject, by way of this personal thing, Mr. Amar Singh is a respected Member of this House. If something against the law or the rule happens to him, it is a matter of concern for all of us. And he is a good friend of mine. I am not going into that subject; I am not making any comment. But the only thing is, I was just cautioning another friend, Shri Ram Gopal, that when we discuss it in this Council of States, we should not make any allegations against a person who is not here. The Chief Minister is a responsible person. Number one: she is not here to defend herself. Number two: I want to request you, Sir, since you have vast experience, that.. *(Interruptions)...*

SHRI SHAHID SIDDIQUI: (Uttar Pradesh) You are a great defender... *(Interruptions)..*

श्री एम. वेंकैया नायडु : डिफेंड करने में क्या प्रॉब्लम है? ...(**व्यवधान**)... आप उसे छोड़ दो। ...(**व्यवधान**)...

SHRI SHAHID SIDDIQUI: He has said nothing against the Chief Minister..... *(Interruptions)...*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Please listen to me. Why do you unnecessarily get angry? I am not here to quarrel with you. Sir, my point आप हमारे चेयरमैन हैं। सभी स्टेट्स में अलग-अलग घटनाएं हो रही हैं। कुछ स्टेट्स में प्रमुख रूप से पॉलिटिकल हेरासमेंट की बातें भी आ रही हैं। आपने देखा कि पंजाब में क्या हुआ। अभी यूपी के बारे में सुन रहे हैं, दूसरी कुछ स्टेट्स में भी हो रहा है। इसलिए आप सदन में एक बार, मैंबर्स की पॉलिटिकल हेरासमेंट के या अन्य महत्वपूर्ण लोगों के हेरासमेंट के संबंध में, सदन में बहस कराएं ताकि कुछ सेटेंडडर्स, कुछ ब्रॉड प्रिंसिपल्स हम लोग अपनाएं तो उससे कुछ फायदा होगा। उन्होंने यह मामला उठाया है He is aggrieved, affected; he has got every right to raise it in the House, and, then, whatever the Government wants to respond, I am not interfering in this matter. I only suggest to you, Sir, please take the initiative, allow a discussion in the House, and let us

evolve some sort of approach to this entire issue, because it is happening in different parts of the country.

श्री सभापति : आपने जो बात कही, उसका उत्तर मैं बाद में दूंगा लेकिन सरकार से मैं कहना चाहता हूं कि अमर सिंह जी के मामले में स्थिति स्पष्ट करें कि क्या घटना हुई है, कैसे हुई है। मंत्री जी, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि हाउस ऐडजर्न हो, उससे पहले पहले इस प्रकार की सूचना आ जाए तो ज्यादा अच्छा है।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI O. RAJAGOPAL): Sir, the facts mentioned by the hon. Members will be conveyed to the Home Minister, and whatever information they are able to collect will be sent to you.

SPECIAL MENTIONS

Request for recognition of seats in medical colleges in Andhra Pradesh by Medical Council of India

DR. ALLADI P. RAJKUMAR (Andhra Pradesh): Sir, my Special Mention relates to recognition of seats in medical colleges in Andhra Pradesh.

The Government of Andhra Pradesh has been pressing the Medical Council of India to reverse its decision of derecognising 270 MBBS seats in five Government medical colleges in the State. The State Government has requested the Central Government to prevail upon the MCI to expedite its decision so that the process of admissions in the medical colleges and dental colleges could begin soon.

[THE VICE CHAIRMAN (SHRI RAMA SHANKER KAUSHIK) in the Chair.]

Same is the fate of three private colleges at Eluru, Karimnagar and Kuppam, which account for another 400 MBBS seats, and have not been given recognition by the MCI this year.

In this way, at present, as many as 300 out of 1,450 MBBS seats in ten Government colleges in Andhra Pradesh stand derecognised. I request the Government of India to look into the matter and get the recognition accorded by the MCI, at an early date, to enable the medical colleges to admit students in 2003-04. वाइस चेयरमैन साहब, आप मेहरबानी करके गवर्नमेंट को डायरेक्शन दीजिए। सुषमा स्वराज जी इसके ऊपर शायद आज यहां पर न बोल सकें because she is participating in the debate in the other House.